

पालिसी जो डिफेंस फैक्ट्रियों से लोग छूटा में निकाले गये हैं, अगर उमीद है कि फैक्ट्रियों में दूसरी जगह खाली हों तो उन्हें प्रायरीटी दी जायगी या नहीं ?]

श्री आबिद अली : जरूर दी जानी चाहिये ।

मौलाना अयूब खान - फारुकी : क्या आन-

रेबिल मिनिस्टर की इत्तिला में यह है कि कानपुर और इलाहाबाद में डिफेंस फैक्ट्रियों से बहुत से ऐसे लोग निकाले गये हैं जो अब तक बेकार हैं और वहां जगहें खाली हुई हैं और उसके बाद भी उनको नहीं दी गई है ?]

श्री आबिद अली : इसके बारे में हमने एक खास आफिसर मुआयन किया है । जहां जहां इस किस्म की जगहें होती हैं वहां उनसे सम्बन्धित जो लोग हटाये गये हैं वे अगर वहां रखे जा सकते हो तो उनको रखवाने की पूरी कोशिश की जाती है और इस स्कीम में काफी कामयाबी हुई है ।

मौलाना अयूब खान - फारुकी : क्या आन-रेबिल मिनिस्टर की इत्तिला में यह है कि कानपुर और इलाहाबाद में डिफेंस फैक्ट्रियों से बहुत से ऐसे लोग निकाले गये हैं जो अब तक बेकार हैं और वहां जगहें खाली हुई हैं और उसके बाद भी उनको नहीं दी गई है ?]

मौलाना अयूब खान - फारुकी : क्या आन-

रेबिल मिनिस्टर की इत्तिला में यह है कि कानपुर और इलाहाबाद में डिफेंस फैक्ट्रियों से बहुत से ऐसे लोग निकाले गये हैं जो अब तक बेकार हैं और वहां जगहें खाली हुई हैं और उसके बाद भी उनको नहीं दी गई है ?]

श्री आबिद अली : इसके बारे में हमने एक खास आफिसर मुआयन किया है । जहां जहां इस किस्म की जगहें होती हैं वहां उनसे सम्बन्धित जो लोग हटाये गये हैं वे अगर वहां रखे जा सकते हो तो उनको रखवाने की पूरी कोशिश की जाती है और इस स्कीम में काफी कामयाबी हुई है ।

श्री आबिद अली : आफिसर एक ही है लेकिन उसके मातहत और दूसरे मद-गार हैं ।

मौलाना अयूब खान - फारुकी : क्या आन-

रेबिल मिनिस्टर की इत्तिला में यह है कि कानपुर और इलाहाबाद में डिफेंस फैक्ट्रियों से बहुत से ऐसे लोग निकाले गये हैं जो अब तक बेकार हैं और वहां जगहें खाली हुई हैं और उसके बाद भी उनको नहीं दी गई है ?]

श्री आबिद अली : जहां भी लोग हटाये गये हैं वहां से उनकी फेहरिस्त लेना, और जहां जहां जगहें हैं जहां वह लोग रखे जा सकते हैं उनके बारे में मालूमात हासिल करना और एक दूसरे की मदद ले कर इस काम को कामयाब बनाना ।

डा० आर० बी० गौड़ : क्या इज्जतमाब नायब वजीर मेहनत यह बतलाने की जहमत गवारा फरमायेगे कि एग्जीक्यूटिव आफिसर के अहकाम की अदम तामीली की सूरत में कारखानेदारों के ऊपर क्या ऐक्शन लिया जा सकता है ?

श्री आबिद अली : इन का मश्विरा न मानने की कोई शिकायत अभी नहीं आया है ।

MANUFACTURE OF MOTOR CARS AND TRUCKS IN INDIA

*465. DR. RAGHUBIR SINH: Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether there is a proposal to manufacture General Motor's cars and trucks in India, especially Chevrolet ones;

(b) if so, what are the details of the financial and technical arrangements proposed to be made under this plan in India; and

(c) by what date the manufacture of such cars is likely to start in India?

THE MINISTER OF INDUSTRY
(SHRI MANUBHAI SHAH): (a) Yes, Sir.

(b) and (c). The financial terms and phased programme of manufacture of these trucks are under consideration.

DR. RAGHUBIR SINH: May I know, Sir, how much more time the Government will take before coming to a decision?

SHRI MANUBHAI SHAH: Within a month or two we shall finalise.

DR. RAGHUBIR SINH: May I know, Sir, whether any special provisions are going to be made under this arrangement for the progressive manufacture of more motor parts in India?

SHRI MANUBHAI SHAH: The stipulation is going to be that they will have to manufacture the entire truck, excepting certain proprietary parts, within three or four years in the country.

SHRI MAHABIR PRASAD: May I know, Sir, if it is proposed to manufacture two-seater cars in India?

SHRI MANUBHAI SHAH: No, Sir.

AGRICULTURAL LAND RECORDS SUPPLIED BY PAKISTAN

*466. **SHRI N. R. MALKANI:** Will the Minister of REHABILITATION AND MINORITY AFFAIRS be pleased to state:

(a) the number of cases in which the records of rights of agricultural lands belonging to displaced persons supplied by the West Pakistan Government are incomplete;

(b) the number of cases in which discrepancies have been found between the documents in possession of displaced land owners and the records of rights received from West Pakistan Government; and

(c) what steps are being taken by Government to have a complete record or to reconcile the discrepan-

cies with the Government of West Pakistan?

THE MINISTER OF REHABILITATION AND MINORITY AFFAIRS
(SHRI MEHR CHAND KHANNA): (a) and (b). Information in respect of incomplete records is not available and cannot be collected unless all the discrepancies are pointed out by claimants.

Out of the 13,000 claim files checked with the records received from Pakistan, it has been found that in about 6,000 cases, the entries in the records differ from the documents produced by the claimants.

(c) The copies of records relating to the two Punjabs are compared at the Wagah Border with the originals, by the representatives of the two Governments. It has been suggested to the Pakistan Government that this arrangement should be extended to cover the records for other areas also. The Pakistan Government is also being pressed to supply the records that still remain to be supplied.

SHRI N. R. MALKANI: In case such records are not supplied on the border, could we not send our staff to Pakistan to rectify these discrepancies?

SHRI MEHR CHAND KHANNA: We are trying our level best to get the records from Pakistan. That question does not arise at the present moment.

SHRI N. R. MALKANI: The number of cases is very large and ten years have elapsed. There must be some period, some limit.

SHRI MEHR CHAND KHANNA: Out of about 1,40,000 property sheets, about 80,000 have already been received.

SHRI N. R. MALKANI: There are a number of cases where private parties have gone to Pakistan and got the record of rights property signed by the revenue officials; but the Foreign Ministry there refuses to counter-